



ॐ नमः धनं तन्माय नमः ॥ ॐ नमः श्रीहिंदुगर्भमाय नमः ॥
कनस्याष्टमूलेका धमनिकित्तसाक्रिमी नञ्चगयासखंडः खंडः
यंकडस्यपक्षिने ॥ नातिधुमनूकाय ऊनोकासूर्ययागती ॥
नागयाष्टतायाहास नातिऊतायासाक्रिमी ॥ धनातियासु
राउनि मनुकयासुनिनया सखनं ३ः खनं हूनिताकनसिय ॥
नातिनवागकापनहाता तंखसुप्यावर्थ गतिधनतपिआया
नं ॥ ॥ वागजानया निदान ॥ ॥ वपथुचिषमा कृ ग क

सुपनिशाखसं निडा नाहः कवस्तुका गजाननोक्रमवच ॥
मंतव्यूजानगता वागतता कथनं मू उहिनंगनीता ॥
वागजानचिदी साहाय ॥ गच्छुकानग कानस मूत्र एनस
धनसमहाग काथदास्यंवनक वागजाननाह ॥ गुडगुकर्ष
सथिमंस ७ दिगहनकर्ष ९ धनलगनचूय्यादानदिनप
तिमंस ७ काथदास्यंवनक वागजाननाह ॥ ॥ पिलुजान
या ॥ इतानमू खाकन खादा मूक्त धनदासवन ॥ ॥

८३
लघिमज्जनया॥ ॥ कर्कशासि. पिपी. वंमनाचन. अग्नियस.
स्मरणचूर्णयाय. कश्चिन्नाननय॥ ॥ लघिमया॥ पिपी. ह
त. पूस्कनाम्. कदुत. स्मरणचूर्ण. कश्चिन्नाननक॥ ॥
समज्जननास॥ ॥ वागपिठज्जनया॥ अदस्यपू. उरुता. पिं
यंगु. पिपी. लवठराच. जिनी. वंमनाचन. पुकम्पान. पागक.
उक. उ. जिहान. नृपकसन. पूस्कनाम्. स्मरणचूर्ण. कश्चि
समज्जननक॥ वागपिठनास॥ ॥ वागमज्जनया॥ सथा. पिपी.

हनवहन. अव. स्मरणचूर्ण. कश्चिन्नाननक॥ वागलघिमनास॥
पिठलघिमनास॥ ॥ उरुता. कदुत. नकचन्दन. सधि. धतकाथस
संत्वनक. हिविकस. पिठलघिमनास॥ ॥ अविह. सक्तम्पान. वंस
नाचन. लवठराच. स्मरणचूर्ण. स्मरणवद्धिगस्य. मंसु. कश्चिन्नान
नक. पिठलघिमनास॥ ॥ सनिपागया॥ पिपी. मन्त्रच. सधि. हा
कृत्तिन. इलानंत. कदुत. पूस्कनाम्. कर्कशासि. स्मरणचूर्ण. क
श्चिन्नाननक॥ मनिपागनास॥ ॥ चउएड॥ पिपी. नवठराच. स
कम्पान. स्मरणचूर्ण. स्मरणवद्धिगस्य. मंसु. कश्चिन्नाननक॥

मुद्राध्यासस्त्यनवहगादिध॥ नवह० कंकना० जामिकास० पा
 नक० नूपकसन० नवलम्ब० सकम्पान० ठिकउ० वान० अंगुनिहि
 चूगायासयनीद ३२ वंसनावन० चूगायापिद० चूधूयाठ० क
 सि० ज्ञानानक॥ ॥ **लाघमश्रुतिज्ञानया॥** हिं० वच० यिसू० पिपी०
 हन० चगकहा० कृष्ट० धमसमलगचूधू० इमनंखसंखउ० धनी
 गिहंमउ० हास्यंत्वनकः॥ **अश्रुतिज्ञाननाह॥** ॥ **अश्रिमूख**
 ध॥ हन० सथि० पिपी० कनंऊ० वान० चगकहा० समलगचूधू० नक

मंस३ किधूयाक॥ ॥ **प्यासचाउया॥** मूक्त० खाकने० कृत
 हा० श्रीखन्० वान० सथि० साधन० समलगचूधू० खउंत्वननस्य
 मंस२ नक० **प्यासचाउपिहनाह॥** ॥ **अश्रिमन्दरुउया॥** गकि०
 धनीज्ञान० सधूचि० अऊम० मनच० पिपि० सथि० वान० गुलाद०
 मूक्त० साहान० अवपू० वान० चगक० समलगचूधू० **अश्रिमन्दरुस्यं**
 नक॥ ॥ **हिहूउया॥** खरुमि० खरुति० निकस० साधन० समलग
 चूधू० मंस३ कसि० ज्ञानानक॥ ॥ **चिहूउया॥** सकम्पानमंस३ पा
 नकमंस३ नवहलाचमंस३ नवहमंस३ किहामंस३ श्रीमं० पिपीमंस३ ह

कडिमं० कानवासमं० १० रूपकं सनमं० साखनमं० ३२ धनचरु
दिनपतिमं० २ नक० मु० ध० उनवव चिकुनासु॥ ॥ पिहूनचिकु
आया॥ ॥ धा० ख० २० स्वहान० मू० सु० सुधि० गुदगु० आदस० न
उत्ताच० पिपी० कि० कि० हा० सलगचरु० साघनसउ० लानकं मं
सु३ नक॥ ॥ हि० आ० जानया॥ पि० रु० ता० मनच० पलक० मन० न
पक० मन० पागक० कू० सु० हा० का० द० हा० ग० वा० सा० वन० सलगचरु०
मं० स० ३० क० कि० उ० नानक॥ ॥ अ० नि० म० २० अ० गि० सा० न० सा॥ हिं० मं० १० सु० धि
मं० ३० सु० क० म्या० मं० २० धन० सलगचरु० का० क० हा० वस० हा० स्यं० लनकं॥ ॥ ॥

गहनीचाआया॥ क० कि० धन० ख० ना० वान० अ० व० पू० मू० सु० क० म्या०
स्य० ध० वि० पि० क० ३० अ० न० १० मू० सलगचरु० ॥ मि० ता० तं० ख० न० नू०
मि० ना० न० नकं० मं० स० ३० हा० स्यं० लनकं॥ ॥ प० न० का० द० आ० या० वान० अं०
पू० ह० न० मू० सु० व० द० वि० पि० पी० सु० धि० क० कि० ध० त० वा० ता० स्व० हा० न०
म० न० च० सलगचरु० मं० स० ३० क० स० ना० मि० स० हा० स्यं० गा० न० क० अ० म० स० स०
वे० स० न० ना० स॥ ॥ धा० थ० स्या० क० या॥ हिं० पि० पी० सु० धि० १० मू० ह० न० उ०
च० ग० क० कू० ट० व० द० वि० सलगचरु० मं० स० ४० इ० गा० तं० ख० स० हा० स्यं० गा०
नकं॥ ॥ पि० ह० न० क० द० आ० या॥ कि० हा० म० न० च० मू० सु० न० व० द० सलग

गच्छेत् खड्गं तं खड्गं सहास्यं गानकं ॥ ॥ कदडागुच्छियः ॥
वेदान् दृष्टः सगपुष्पा हिं सधृत्तिः यमसवानः सलगन
धूं (ओयानिहृष्टास्यं गानकं ॥ ॥ पगस्याकहि कदडाया ॥
कसिधानखाना गुमसिपू वानः हिमिनसः श्रवपू पी
यंगु सलगनधूं कसगानिहृष्टास्यं गानकं ॥ ॥ हिमिह
कया ॥ चवकनयाहा कसि सावनसहृष्टा गानक दिन ३ ॥
॥ ॥ पगस्याकहि नजडाया ॥ गवचननयाहनस्यं स्वयूकापग

स पादविष्यं कंसहं दाम नखगयाडा सहास्यं गय सनिषूद्र
गानक ॥ ॥ दृगनश्रुतिर्नरुडाया ॥ हिं सधृत्तिः वृहमू वृहीक
सलगनस्यं नक ॥ ॥ अदिकनस्यं श्रुतिर्नरुडाया ॥ पिपी
सधृत्ति चवकहा हन सलगनधूं ककनं खसहास्यं गानक
॥ ॥ दृसवां वया ॥ यना पिपी चूधूं धनवद्रास्यं थजानि
सहास्यं गानक ॥ ॥ अमवागनागया ॥ सधिप गुदभापयागुती
पधनधूं धनसहास्यं गानक ॥ ॥ वागनागया ॥ यिम् सधृ
त्ति हिं यमसखान स्वलाकन हत धनसंनव चूधूं याहाव

काकतंखसंगवः क्वास्यंगानकं ॥ ॥ पनसहसचांगवया ॥ अचः
गायः साधनः तंखसनस्यंगानकं ॥ ॥ पनसहसयांगवया
गवया ॥ सधुचिः यमसखानः वचः कउकः हनदः चंगकः चूर्तः मं
सु ३ ममइइ कानका ॥ धनचिकिधहस्यंगानकं ॥ ॥ वाग
सनया ॥ हनदः कूरः यिमूः पकीः सधुचिः सथिः मनचः चंगक
हाः सहागनूर्धुः काथदायानंखसः क्वास्यंगानकं ॥ ॥ अग्निम
नेवानसूनया ॥ हिं पिपीः वचः अग्निनसः यिमूः सथिः सधुचिः
हनदः सहागनूर्धुः मंस ३ काथदायानंखसः क्वास्यंगानकं ॥ ॥

पिरुतांगाननः नकपिडुया ॥ सहानः सकन्यानः वदियानका
साधनसनस्यंगानकं ॥ ॥ दहनपनस्यतयाहिं व ॥ डीरुताः
यिमूः सधुचिः हनउ ॥ हिं चूर्धुः नकं ॥ ॥ अग्निमानया ॥ वदि
यानहाः कसनातिननस्यंगानकं ॥ ॥ चवकनखयननस्यं चा
नसुइइइ क्वास्यंगानकं ॥ ॥ गहनिः अग्निकावया ॥ हिं मंस ४
मनचकर्ष १ पिपीकर्ष १ सथिकर्ष १ सिधिकर्ष १ सधुचिकर्ष १ ध
मचूर्धुयास्यं साधुहंदि १ यदकउ १ दास्यं यदहागसनक
याकथथः नेयवनसमंस ७ काचकंगानकं पनसपायया

हवा हवाः पगयाः वंधनाययाः पगला २५ वयाः जूच्च वागसुः
 चित्तु सुः पगलानया गहनि यां हन ॥ ॥ कथय उमस ॥ सिगया
 न इइ मंस ॥ चानस इइ मंस २४ ॥ धन दा कर्क दायकं पान गपनू च
 भूमं २ नवानं गुदि चिह नय क काह पाय धनकं गुदि १ नयकं
 नं खन कचूयक विनचन याया ॥ ॥ जवन पिरु का थय गु ॥ ॥
 ऊ यान मं १ मनच मंस १ स्वहगा मंस ३ धन नू भूमं १ चानस
 इइ सहा स्यं गानक ॥ नम कं चा भमाह ॥ धन न वान थ चा क थ

नं उायव वान का चा क कानं वयव क क जानन हाव अ यव
 ॥ ॥ वान भया कि मिया ॥ वंद सप्प वि हता पिपी स्मराग
 चरु क कि न वानानक वान भयाग ॥ ॥ थन व व कि मिया ॥ पि
 पी वि द सप्प क प म नि चरु न स्यं गानक ॥ ॥ सर्व व्या धिया ॥ क
 उ क हन गामु न न स्यं क कि चू ह नानक त ह म स्यं कि मि धन
 यं सर्व व्या धि नास ॥ ॥ कि मि का द्य क गु ॥ वंद सप्प पिपी सहा
 चन हिं ॥ ॥ नु ऊव स्मराग चरु न वान मंस अनक कि मिया रिं ॥

पात्रु नागया॥ स्यापूया मूनम ह २ मन च व द ४ धि म मं स ४ र हा उ
नं ख ह न स्यं गानक ॥ ॥ न के पि रु या ॥ गी र व न्द वान म म् क र ह
हा आ द स गु उ गु कि नी व ह मि इ नानं ह मि न स च र्पु सान
नवानं क कि स वृ हा न न क न क पि रु या ॥ ॥ उ य स्या स या ॥ अ
ह स पि क र्प ४ क ह मि क र्प १ न स्यं क र्प १ सा ख न न वा तं क कि च
ह गानक ॥ ॥ मा स उ उ या हा क या सा व न मं स ४ ह ह मि मं ४
ख ह न सि ४ न स्यं क कि न वानं न क ॥ ॥ य क ना य या ॥ ना रि सा

ह न १ मन च १ स धि ३ पि पी ४ वं ग ना व न ५ स क म्या न ५ न व ह वा च
५ ध ग या व न्ति ना रि स व न्ति च र्पु पि पी च्या द चि नी न मि न न घं न क ॥
ह नि न या ना स र नि च र्पु चान ह इ ह स हा स्यं गा हा सं ना त ॥ ॥
सा थ मं य या ॥ उ ह म त्ता सी क व कं पि ५ अं क या हा स ह ५ न ग
व कं थ मि नी सि म र वा न व नि वान च कं थ मि नी प ना स सि या क व
म हान या हा अ पा मार्ग या हा न य स्या न सि व न क उ क उ प
क ना म पा उ नी सि चि च र्पु हं द र्प थ ह थ पू क पु न ग स्यं चा
न य ना व ग स्यं हा हा या य ए स्या हा नं र व स ग स्यं र वा न मि स स

संलग्न

कयनकावकीः हिः कर्षः वचः २ कूटः ३ सजिखानः ४ वदविः ५ ध-
मः ६ धूयाठः ७ दास्यः ८ काथदास्यः ९ निगनसपास्यः १० गनकावः ११ धवा
सुनः १२ धूयाठावनकः ॥ १ ॥ कासनागया ॥ पूष्कनाम् ॥ मूसाः ॥ हनदः
चंगकाहाः ॥ लागिहाः ॥ पिपीः ॥ कदरुतः ॥ सलगागधगवन्ति ॥ गडदावन्ति
गस्यः ॥ अम्वनवह २ नकः कासनास ॥ ॥ नयमजिउया ॥ वदिया
नहाः ॥ गजिः ॥ पिपीः ॥ अपामार्गहाः ॥ नाम्नः ॥ चंगकाहाः ॥ लागिहाः ॥ पूष्क
नाम् ॥ चिच्छीगानकर्षः ॥ पिपीः ॥ पु२ हनउगवः ॥ चूधधनः ॥ पु१ गवउ
दाकूठिः ॥ कसिः ॥ पु३ धूठपाखवनकावः ॥ अमसतचूयः ॥ गजवि

नः मसुनकः ॥ ॥ धूउनहिक्काकया ॥ नवठलावः सकम्या
मं२ पिपीमं४ वंमगावनमं८ उदुखांमं१० चूधूकसिनवा
नानकः ॥ ॥ थसापुववगागया ॥ मूथिः ॥ वृधमीः ॥ पिपीः ॥ स
लागकाथदास्यगानकः ॥ ॥ स्वनस्यठया ५ ॥ मनचः ॥ पिपीः ॥ स
थिः ॥ सधूचिः ॥ मूसाः ॥ मनथिनवठः ॥ पुकम्यानः ॥ सलगागचूधूयाठ
नकः ॥ ॥ धूउमसाकया ॥ उरुताः ॥ पिपीः ॥ सलगागचूधूमं२
नकः ॥ ॥ जानयनकाधनकः ॥ ॥ अकिववया ॥ जीः
कादसया ॥ गः ॥ नवठः ॥ सकम्या ॥ सलगाग

कूट. हनद. अंतन. वच. मनधि. समलगनमं८ साकू३१ पु२
 बूट. नयनयाह. नकू३१. अविगदाग. स्वथवान. दूहयां॥ ॥
 अमरवाकया. घानया॥ हनिगान. चवकनयाहा. पूनपाकयाहा.
 दाधनचू. घनववान. नयनयाह. ९गाकधूत्यं. गामनास्यं. वाह.
 ॥ ॥ काथमवधस्यं ववया॥ चनायाकाव. संखानहयक. मलचू.
 याव. धुसंखानम३ दगातुंखसहास्यं गानक. दिन१ घाथया
 नाखाहाववया॥ ॥ तामभूतया॥ हि. पिपी. संथ. मनच. न्म.

यमसरवान. हनदस्यधूवि. धनसमलगनचू. वानुनिनमन्ददास्यं.
 धवासनन. दास्यं गानक॥ ॥ अजभूतया॥ गुदगुमं४ काथदास्यं.
 कायगसथस्यं गानक॥ ॥ नूककू३१॥ कंथहा. दूहहा. नख.
 पु१ इइय१ दास्यं. इइयालगतनकं गानक॥ ॥ वंधनायया॥
 अविनहा. सविधान. धानादूनि. नस्यं गानक॥ ॥ वाहाय.
 नकू३१॥ मिमिगाप्रियावमस्यं. कायगसथस्यं गान॥ ॥
 नकू३१॥ डिहना. निवकू३१. काखगाहा. मूक. रुनुहव.

चं गरुडयनः सातागच्छुः नंखसंगवः धानसद्र इमं गवः ॥ २॥
 स्यं गानकं ॥ ॥ कतिमंगुयः ॥ सागिहाः पूवाकमनागिसन
 स्यं गानकं ॥ ॥ समंगवया ॥ निगुनसियाहाः गवयानः मनथिः
 प्रन्दसगाः विदुः गानमं इसापुः घृष्टः पायः ॥ ॥ अस्य
 यया ॥ हनः पिपीः सध्विदायकं नखसद्रास्यं गानकं ॥ ॥
 गुत्तया ॥ वेहनः वदचिः पुचिः हिं कूटः चंगकः यिमः स्या
 गच्छुः अकिधसंगवः थंजागिसं गवः सास्यं गानकं ॥ ॥

हयोमंगवया ॥ माहानठः नवनीः इइसनस्यं तपनयाय ॥ ॥
 चलेगिहायकं मंगवया ॥ पागकः निगवः काकनयाहाः संउसम
 खूनः माहिः धगदायकं हादुयकं हागानतुठगयः चन
 तिहाचकं ॥ ॥ गतपागसपातवया ॥ ध्यांकाचंगवः ध्याइइ
 गवः नखनन्यस्यं नपनयाडः गतपागसपातकं ॥ ॥ गनद
 वया ॥ दिगरुनमंस ३ हनमंस ३ दास्यं गानकं ॥ ॥ गनदमाग
 या ॥ मसयागनउमंस २ लिठसिमंस १ मनचमंस १ पिपीमंस १ स
 थमंस १ ककागामंस १ किनीमंस १ चारुमंस १ धगन्यस्यं मंस ३

मानक दिन १ नमः काथा ३ वानमाह नऊव इइव ३ नव
 चिचकन गानगमान कृऊकननीव ॥ ॥ नडाघान म
 गधा ॥ नवकावगाहा वास्यंघानिहा सामहाग गमूउसनस्य
 दायकावपाय सहयं ॥ ॥ सधुघानया ॥ घनघान १२० नरव
 नसनाव धधनपु३ सिथनाचुप १ कचिचकनपु १ धनमिचन
 पंगयाव नपनयाहचकन२रय ॥ ॥ घानयात्रायक ॥ त
 यन धुकत्वानहा यिहमि हनउ केउक धनतंरसनस्यं

य घानया ॥ ॥ घानसउदावया ॥ अयामार्गीभव क्षस्यंमा
 नव मनूकयाहनसां पसयाहनसां नामकास्यं हानमानं
 स्यं नलानसपास्यंगयान गथरगन अथरघानयाउहास्यं
 वयू ॥ ॥ घानसथनकं नवउहायू ॥ अऊनदुनिखानयाहा
 नैवसनस्यं घानथनकं घानयाउहास्यं वयक ॥ ॥
 त्याकसिकया ॥ दडाहन सचि सगपूय अनदहा नस्यंपाय ॥ ॥
 हिंगस्याकया ॥ दधपनकयागिपु १ यिहमीमंतल पासनकसिमंल

मिचकमिल हनदमंल नंतव दूता च कनपुः धगबूठ नपनयाहं.
हिंगसपाय॥ ॥ नाखय माहासककाचनिगाचूनावपानक. हिं
गसक दूववनास. नसाऊनचूनावपानकंगव॥ ॥ **कुरुनागया॥**
हदंवी. कुरुवा. कागादनद. वानाउ. धगगुमनिनस्य. कयगु
निवहश् गुदिविठ. सिगनगनक. चवासन सखिवहकि गुदि १ न
यक कुरुनागनास॥ ॥ **कुरुनागयाच कनबूठ॥** गंधक. हनी
गान. वकचि. साहग. सिंधु. क्काऊनहायस. पुमिमंस ३ मेनागि.

त्रीकर्वरहाकूता गवगुगूता सगामंस १ धगबूठपाय. कुरुनाग
नास॥ ॥ **कुरुनागयाच कनबूठ॥** अर्कपाग. नकचन्दन. कन
वनि. यदिपू. हाकूति. पिपी. मनच. मनचियस. कूट. वव. गव
पनकहा. माहानदि. विष्टमी. चगकहा. अयगंध. विष्टीगान
मंस २ सापु २ गवमनिपु ७ धगसबूठनपनयाय॥ ॥ **चासके**
आया॥ गायवसग. कर्वरहापु १ अरु १ गायव. कतहखानयाह
तमंस ७ ऊनका कनयाहनमंस ७ वऊएनयाहन. मंस ७ पागम
कसिमंस ७ मूकसिंधु मंस ७ खयनमंस ७ सापु १ बूठ. पानन

पनयाहवृष॥ ॥चासकैगचागुया॥कनिनयाहनसाधयाहा
 न॥हामनचूर्णवक्रास्यं॥मननचूर्णाव॥अपनयाह॥चासक
 गव२याहववनास॥ ॥मिसाहाववया॥हिमनाऊ॥गकनाय॥
 साहागा॥अऊमाद॥खानासानि॥चिखयन॥हि॥गानमंस४
 त्रिनाथुतिमंस१हगुदिकर्ष१धगलागनचूर्णयाहपाद३द
 यकं॥कृकथयाहि॥स३॥सर्पा॥मिसगस्यं॥धवासनपाद१ग
 स्यं॥कुरुयक॥रुगा॥उठगय॥चनमिहायक॥अथ॥दिन३५

सङ्गसमादकयक॥नय॥आवद्वृष॥अनचूर्ण॥
 धंगव॥वि॥चकं॥गानममान॥दिन२१॥
 वयां॥कमुनमंस१५गुमावनमंस१५॥
 नमंस३महनीमंस३कविहनमंस३॥
 तिनदूगविस्यमंस१५गवि२गुदिक॥दयकं॥
 वहनिगुदि२म्याचस५थहनयक॥दिन१॥
 स॥ ॥अवनपिकुया॥अवन॥दिपा॥अदिन३॥

दसपादचस्य अनठाकावगय वास्याह ॥ ॥ दनभूतया ॥
हाबूक्ति कायनसपादचस्य चकनसकावाव कचकं दनथ
वानकाठगस्यंगय ॥ ॥ हिक्काकया ॥ वंगनाचन गवाक्तित्रि क
किच्छुठदृदववाननक हिक्काकया ॥ अग्निनस कक्षिसवाना
नक नानहिववनास वानपीरुन्द कसहा र्वाकन कानसम
निवूर्धनक हिक्काकया ॥ ॥ क्रामन नमताउया ॥ रुट स
वच दवदान सगपूज्य हिं स्यधुचि धुमवानसयावाननस्य

स्वयूठ कसगथठ कसकिनजाननास ॥ ॥ दसविकानकसम
गाउया ॥ अक्षान २ चकन मंस यमचुयचकनपाववनकाव
कसगथठ यमचुगुनिनं कसगगस्यंगय दसविकानया ॥ ॥
क्रामिवडाया ॥ कक्षि धनयावान हनद सगायाहा सावन
रवाउनंरवसनस्य गानक क्रामिडागुया ॥ ॥ क्रामकनिधाक
या ॥ प्रियंगु साहन मूक नसाऊन मानति डिनी पिपी विठ
म सुक्ति गपुनिमंस ४ सावनमंस ८ कक्षिसवानन ५ प

॥ मिखाक. हूनववया ॥ पिन्नकनाय हा.
 गवनावन. नस्यंवनमिनदयक. धवनमिनी. वूनावमिखास
 थनमिखास्याकथास्वमिया ॥ ॥ मिखास्याक. स्वादिहाव. मि
 खाहियुसं. ॥ हनद. वच. कूट. पिपी. मनव. विहूनद. नाहि
 संख. संमिन. स्मलागननस्य. वानसइइनवान. वनमिनीदय
 क. धवानावमिखासथन ॥ ॥ मिखायास्यऊहीनयास्यऊदय
 ३ ॥ वहनदमनवा ३ उकाय ३ मनवव ३ धगवनमिनीदय

कं. धवनमिनवानाव. मिखासथथयट. मिखायास्यऊदय ॥
 ॥ ॥ मिखासनकानरुवया ॥ नसाऊन. हनजी. मिवकिसि.
 द्विमिखान. निपवान. धूमिहाहाधयानरु. इन्नपूषयाहा.
 कसयापूयि. ५थ. द्विहीगानमंस. १हामनव ८० पिपीया
 मूव ७० मनववा ७ धगवूस. रुकिनवान. गुमिकादय
 कं. धगुटिकावूनाव. मिखासथथयहन. लानकानयाहि.
 ॥ ॥ माऊ. कया ॥ यिहमीनस्यंपायंगव. कसमथनंग

व. दिगदुह. प्रीयंशु. सुतिनस्यं पाय. भाग्या कृतम॥ ॥
 गान्धर्वा दस्य कया॥ तस्मिन् स्थाने या हन. नं खननं त्यं कृतम
 थन. ऊव सस्य गसा ख वस. ख व सस्य गसा ऊव सथ नप ॥
 नकृञ्जितानया॥ अथा मार्गिया हा. नं ख सनं त्यं. खनक. ॥ ॥
 सुनिका नागया॥ सुयिक कर्षट पिपि मून कर्षट मनच कर्षट पि
 पी कर्षट डिनी कर्षट सा हान कर्षट हक डि कर्षट यि मू कर्षट म
 नपूष्य वर्षट गामि स कर्षट स्पू कर्षट यम सखान कर्षट सुक

म्यानमंसल पाग कर्मसल धनरूपं खगल कूट १ वृद्ध मंसल
 सुधन क२ यट. सुनिका नायनास॥ ॥ सुनिका नद्र स्या कया॥
 विकु. सायस्य यि मू. हक डि. डिनी. यम सखान. स्पूष्य वि.
 सुक म्यान. नवड हान. पाग क. डि हा. नवड. चिह्नी मंसल पू
 तां वा कू १ वृद्ध. दाग पाख वन का व हान. चास सुड वाना
 व. वयन मं पुमानन. सुथ वडि नक सुनिया॥ ॥ मन्त्रा वयम
 दूषा॥ पाद पाका हन. माधन मासिया द्रु. वन रत्न. आनिस.

• पाक ॥ ॥ स्यध्विदेहिः साधिसदास्यगानकं भावाननानं वृधि
 व ॥ ॥ मचाव्यावधनस्याकया ॥ पिपीः ब्रह्मः ससरागचूर्णः
 चानसंद्रइलवानं कफिससुठनकं मंस २ भावाया मामयाग
 ॥ ॥ रागनस्याकया ॥ अन्नदहाः खनमिसिः हासनः ३ काम
 नधिः साधनन्यध्वः दायकं महर्धवाज वागया ॥ ॥ गह
 निचावया ॥ ठिकु ३ चानः मनधिः (सेत्वां) मूकः कूटः वीरुः
 अग्निसः सिमिनसः साहानः वानः वदियानहाः वादयाः पि

पीयामूनः दास्यविः चिकुली गानमंस १४ पस्रनगिकू ३ १ धनिमि
 कू ३ १ चानसद्रइ कू ३ १ धनपु २ घूठनकं गहनिया ॥ ॥
 कासनागया ॥ गानिसकर्ष १ मनचकर्ष २ सधिकर्ष ३ पिपी कर्ष ४
 सकम्पानकर्ष १ नवदहाचकर्ष साधनकू ३ १ घूठः मंस ३ नक
 कासनागनास ॥ ॥ चनमदकयनागया ॥ सकम्पानमंस ३ पा
 गकर्मस ३ नवदहाचमंस ३ सधिकर्ष २ मनचकर्ष ३ पिपी कर्ष
 ३ पि मूकर्ष ३ जिनाकर्ष ३ सिपिकर्ष ४ वसनाचनकर्ष ३ पि

पीनामूकर्ष ४ गानिसकर्ष ३ वडदाकू ३२ नखकू ३१ सा ५५
 कू ३१ धखुठनक खनमन्दरुवया ॥ ॥ लीकू जानया ॥ कं
 थगिनी ॥ गुदगु ॥ पूस्कनाम् ॥ पुनिमंस ३ दास्यगानक ॥ लीषया
 ॥ ॥ कथूल्याक ॥ कथूमठया ॥ मनथि ॥ नसाऊन ॥ पानादव
 ति ॥ वगकहा ॥ हन ॥ पिपी ॥ सहागवूर्ध् मंस ३ कक्षिनवानान
 कं ॥ कथूल्याकनास ॥ ॥ कूकया ॥ उत्र २ ववया ॥ यना ॥ नवठ ॥ २
 पकमन ॥ काउसयामन ॥ गवा ॥ प्रियंगु ॥ पीखन्द ॥ सहागवूर्ध् मं

स ३ कक्षिसवानानक ॥ ॥ कू ३ मसाकया ॥ साकगु ॥ सथि ॥
 पूस्कनाम्न ॥ कंथगिनीहा ॥ इ नानम् ॥ गुदगु ॥ कर्कटासि ॥ वा
 दवा ॥ खादा ॥ क ३ क ॥ सहागवूर्ध् मंस ॥ कथदास्यगान
 क ॥ कू ३ मसाकया ॥ ॥ नयवमुदकायामानन ॥ ४ त्रिया
 मानन ॥ कक्षि ॥ इ ३ यामानन ॥ पिपी ॥ धनयामानन ॥ पाउ ॥ सा
 वन ॥ म्वाचयामानन ॥ चिदूर्ध् ॥ नायामानन ॥ धेगि ॥ हाया
 मानन ॥ पाउ ॥ चकूयामानन ॥ मनव ॥ पाउयामानन ॥ चाकू ॥

खायूवमानन. सृचि॥ पाउयामानन. चि॥ रुकूयामानन. स्यधूचि॥
 वतूयामानन. खायू॥ अम्वनयामानन. वंदरि॥ रुटसयामान
 न. मनव॥ उहि. वनसयामानन. किनीचि॥ घनधनी. उपननन.
 यामानन. काखनंखगानक॥ वकने. रुकने. काकने. चाकह.
 उमि. म्वात. धनअधिकनह. चिच्छाहाव. थऊनिगानक॥ अं
 व. म्वावइइ. धननया. उपरुसु. पातयानिगानक॥ नंखनन
 गान. हनउव. चिवनक॥ हायाइइ. उपनगान. सचिचूधूव.

चाकनक॥ कथूससवनाथकया. पातनिगानक. यउनि.
 नकावया. वावाहुरस्याहावहाकगनक॥ ॥ चवकनयाहान
 सगानक॥ यसनन. धयावचहहिं॥ ॥ मूसक. कंचयी. स्य
 धूचि. यिसुमीन. समहाग. नंखननस्य. कलिनवारंकाहमथ
 न. निधानस्वधान. ऊनाहानचाठनागिया. चहुधेदयक॥
 ॥ ॥ अमिमन्यया॥ हनइ. वगकहा. पिपी. स्यधूचि. काथहा
 सगानक॥ ॥ पगहइहवांगवया॥ यना. पिपी. चूधू. धन

न क्तास्यः थजगिसहस्यगानकः रुसया ॥ ॥ उमिग्यानूया
 ॥ एतन्नरवसदायकः मगिसिगकः मगिस्यानूयानाव ॥ ॥
 रुकडिः नाहाः सापसुः एवयनः धुकैखानः कचिहनुः सिना
 मुनिघावः मयपनहाः हंसयानयावानः मनथिः धगनस्य
 पागकः न्याकयाः स्याकयाः हिविकयाः मंगवयाः हिह ॥ ॥
 काकनासिमियाहाः सिमीनसः एतन्नरवसुनस्यपायः वा
 हास्याकया ॥ ॥ ॥ नमिगीवेजमोउवधिसुमाफं ॥ ॥
 संलपुअवमपुहुः उकादमीः मनिधुवानः धरुहुदेवहु

अथ उनाऊनसंमर्थुतिखिगं ॥

दिष्णचूर्णपाचकः ॥ गडिः कस्तः धातुसुताः एमूः प्रोत्ताः
 पिपीः मलचः मंपूः बाहापाः गुतातः हलः गव्वग्वः वचिः
 सप्रहागः प्रोतिनयागानः तंममगयालुनः साथस्याकया ॥
 पिपनादिपाचकः ॥ पिपीः हलः कस्तः गव्वग्वः वचिः
 रुसयाः साथस्याकयाः तंममगयालुनः लनहागः विमसि ॥
 एतुनादिपाचकः ॥ एतुः हलः एमूः पिपनाम्ः राव्यघा
 सिः ऊऊमूः मलः पिपीः उथः वचिः एतुविमाकाः धटम
 मलागः रुसंसाथस्याकयाः तंममदायकान्तवक ॥ ॥

घृण्णमसपाचक॥ ॥ पिपी हल कस पुथ ग्वस्वग्व स्प
 ध्विमाका समलग संयत् म्कात्वनकं छाथ स्या कया ॥
 संयत् पूपाचक॥ ॥ मत् पुथ पिपी सत्र हिं स्पध्वि
 मालका समलग॥ छाथ स्या कया॥ ॥ पिनासया उम स॥ वा
 स्पंधालिया निथन क्रामया॥ मत्तामग्नक॥ ॥ स्या मि उ
 या उम स॥ नि ह्या नि चूवा हाक गुका हा स्वां या ह्या नि
 चूवा पम् घाच यानि चूवा श्रद्धा घन स नि मू कदा

॥ कुमि

यका उम सव्यक मलामग्नक॥ ॥ पान्दो यधि॥
 अखन्द यत्ता ग्वस्वह कस स्वात् ध्वक् विनिहा ववा हे॥
 अनजतया मोद स्या कया॥ धउम सत् मत्तामग्नक रुना॥ ॥
 संयत् पूपाचक॥ ॥ मत् पिपी पुथि मत्त वधि हिं श्रम
 समलग छाथ स्या कया मत्तामग्नक॥ ॥
 अत्रजमसय नादि॥ ॥ तउत्ताक तकेत् युजया कि कस
 पिपी ग्वस्वह हकि तानि स्वां प्रियंगु धउम सव्यवा विनि
 चूवा कलें मुं रं स्वात्त वय न्यात्वन मत्तामग्नक धउम मत्ता॥

आउयाआसयनादि॥ ॥सम्या.मन.पिपा.कि.पिं.कु.कसमि
कर्मनालि.वंसनावं.गंवा.गानत्वां.कस.दा.मिपि.त्रां
त्वा.इनाहंत.गाय.समतागआसयाइगंकि.नआ॥ ॥
भगआ.सतं.सतामगक॥ ॥आउ.पिं.न.त.दा.का.तं.क.गु॥
जीवन्.कसहा.तदा.का.तं.क.सतामगक.भ.आ.सतं॥ ॥
आउ.पिं.न.क.पा.न.पा.गु.आ.स॥ ॥क.न.वि.त्वां.वा.न.इ
इ.वा.न.इ.इ.नि.ना.पा.क.म.ना.म.ग.क॥ ॥आउ.पिं.ना

गि.या.न.वि.कं.षू.न.गु.आ.स॥ ॥पु.हा.त.चि.कं.मं.२.ता.हा.मं
सु.२.म.नू.मं.२.क.य.ह.त.आउ.स.ना.गि.या.न.व.य.कं.भ
ता.म.ग.क॥ ॥ना.गि.या.न.वि.कं.षू.न.गु.पु.चि.कं.या
न.आ.स.मं.सु.१॥पि.पी.मं.ह.॥म.न.व.मं.१.तु.आ.मं
सु.१॥त्वा.हा.पू.मं.सु.१॥ह.कि.मं.सु.१॥कि.मं.सु.१॥
क.सू.मं.सु.१॥षा.त.मं.सु.१॥नि.ह.भ.चि.क.नं.ना.
गि.या.न.व.य.कं.म.ता.म.ग.क॥ ॥

हतमेअपिं नां गियागहलउयकं गुआसः रूगनभः ल
 साप्यागउलः नागिंमसं कयः ॥ अ हहलउयिउरुना ॥
 कातुमंगतघाचः मादसुपाययउः गडिगयं किउः
 हाकगुएगाकिमिवाचं किउः गडिगयं किउः आदिनं
 कगुजवपायं किउः ॥ अउमसलंमसामगः करुना ॥ ॥
 किमिदया किमिकाथयउमस ॥ नहुयाठरुवाद्यकहुया
 कसिहउानानकः मनामगः ककिमिकादयउः ॥ ॥ किमि

काथय ॥ सासिहं कानः नयसहलः यः यचुरुकोकथः त्वकं ॥ अरु
 नपातरुचयाउमसग ॥ अगदियाभुकिचाहलचतकनकाउः उकिहलस
 साधलणः ॥ लाहः यमिसं पनाउः सरुयाउकाः अमकः काततेयनि
 यकुरुतः पनः ॥ अजासगमलामगः कइवीनः ॥ अयकः साप्या
 रिजागः वयं याधि हं नरुनिनाः लं कउमितावयमरुपिनि न
 नानं मचा वयिउः कापगरुथानाखं कः ॥

५
 किमिदया

जीगरलहायनमः॥ ॥ उजिताहामिनपू॥ हियूयाउ॥ ह॥
उहमिस्रस्त्रांयाहानचूकनिनाडावूय॥ थडा॥ हतंमलामगक॥
हिङ्गुआयाउ॥ हत॥ ॥ नातपू॥ धपू॥ कयहनू॥ थस्त्रगांच
हि॥ वजांचहि॥ थनापच्छानाडा॥ वजांतनक॥ मलामगक॥
मिखास्याकयाउ॥ हत॥ ॥ कायपडि॥ लवं॥ प्रजासिङ्ग॥ क
मुन॥ वि॥ ऊंगिहत्त॥ वया॥ थति॥ लिहयिसवृताउ॥ हायक
मिखास्याकमलांमगक॥ ॥ **हिङ्गावू॥** साधन॥ थठि दाय

काडा॥ तंरवसहिनाडा॥ यातसहायक॥ थयानाममंङ्गंरुना॥
॥ **उतिपियूयाउ॥** हत॥ ॥ कयहनू॥ मनू॥ लह॥ डि॥
हडि॥ वमू॥ सापस्त्र॥ सुथ॥ मिखायद्र॥ यम॥ हाकूधउन
याहलयाति॥ कूगकि॥ विहा॥ नीतहयाति॥ पिपनामू॥ नग
नमू॥ थ॥ कूतंजं॥ आतथ॥ हिंताय॥ पालूयाति॥ तंतां॥ अथ
गन्द॥ वकूवि॥ कूउ॥ पकूचिकं॥ उ॥ १॥ तं॥ थ॥ थठि हंमराग
नमगवायडियकदायक॥ थडा॥ मलनमलामगक॥ ॥
मा॥ **उस्याकू॥** क॥ हातयाउ॥ मत॥ ॥ **डि॥** हां॥ या॥ चा॥ पगयापू॥

॥ निगायानसदयकाठाथन. माउह्याकउतायि ॥ ॥
कयिउलेयाउमस ॥ ॥ चवकंयाहा. कयहन्. लंखमनि
नाउपाक. ननानंतायिउ. मलामगक ॥
वातरवयाकरुयाउमस ॥ ॥ कर्कयासि. वंसलाचं. पिपी. ल्यघा.
इया. मसवापानउया. ना. डि. मसरागनककिमउ। तानकं
गडा. मामयाइइगयानकंगडा. भगमलामगकरुगा ॥ ॥
लंकुयाउमस ॥ ॥ सिमि. गवघा. डि. पुथ. गालयां. कूमहा.
वंगलाचं. रूपकम. मल. पिपी. लंखमनयाउ। गानक ॥ ॥

दिथ्वाचोइयाउमस ॥ ॥ गुधत. (ओखां. मिंवासियादा.
करसिकिउ. वरमू. मीथ. कूकव. चाकू. धातुघाता. अंपू.
भटलमरागननिनाउ. लंखमदायकाठा। लनक ॥ ॥
किमियाउमस ॥ ॥ मल. हिं. ववि. धतिचूंथनाउ. चा
कूमवृत्तानक. किमिकादयिउ। रुगा ॥

साजभूनाउलंयाउमस ॥ ॥ धनि १. विनियाउमसराग. गा
ता १. पुमम्या. गा १. प्रीखर. गा १. लउंला. गा १. कर.
ल १. डि. ल १. मयल. मलेंच. पिपी. रूपकम. वंसलाचं.

गातया नरुपाय हामराग मावदायका उचुया ॥ ॥
वातघयागघातिताम ॥ ॥ दिपी कि ह माहल ऊं मि
हत कापिविहा कलंऊं ऊयापति जऊमू मू पांऊ
ति पाक्काहावि लपूं वच थठसमराग वरुंयानाक
किरुविया मामया इइमच लतावनक ॥

घातिताम ॥ ॥ ऊयपति लता पांऊलि कि ह जमि
नय कस थठसमराग मामया इइमच लतावनक ॥ ॥

इइया इतायाचिक वूनताम ॥ ॥ पु१ विकं ता१ सि ता
सि क ता१ सि क ता१ इतायाथगदा थठकयितायाताम
पाकिगनताम ॥ ॥ पु३ विनी पु१ सायल कूर साइइ
जका २ पुथ मंसन मू मंसन सापल मंसन सिपि
मंसन मत मंसन पिपी मंसन पुथ मंसन चिनुहा मंसन
मंसन मऊपा मंसन लव मंसन कि ह मंसन जापये मंसन
मंसन पुम्या मंसन मिथ मंसन कपु मंसन वरुह थठसम
राग साइइम वून पिपीजाय ॥

२ नवागयत घाल रुमा अंत विकै दय कंगू हनल चिकै ॥ पीर लु ॥ कंगू लु ॥ नूपक स
धति स म्म तांग या दन उम स म्म नः ध उम स लं ध उम स लं धा मला न म्म क ॥ ॥
३ अम सो या अ म्म ॥ ति गु धा गु ध ति ति क्क य ने चू कं नि ना अ ध
ति स अ ता अ हि ना अ न कं मला म म्म क ॥ मवा त य कि मि
दा या वा स थ ॥ आ दि य वा न कू कू कू स या हा ना म वा स ति
ना ह या चाम द य क सिला न चू क डि ना कं स थ ल म त या
छा उ लं ष स ग या ना न कं कि मि ला क ला क द यी अ पि हा अ

यी ध वा स कं स थ ल वा हि वा थ ल ली वा थ ल नं क्का
धाला कूं म जि अ ॥ ॥ उ ति ला हा क्क स्या क या अ म्म ॥ म्वा
न काल पू वा दू स स्यं वा हि तू वृ म्म क्का य मा कू
स्या म्मा हा ख ख सिया धाला धत स म ता गं यूर्धु या नो ता
यां लू म्का क्का का या क तां पू न्म नि ला लं धा य स्या क ति
कला अ नि ध्य य ॥ ॥

वाकसिदातयाउमस॥ कयचकः तिलाथूमिः गंधकः उप
 आसः श्वविकनेवाकसिक्कपातंदकं सिकंरुना॥ ॥
 गवागंहिसंघात्ररुअयाउमस॥ अकिस्वानयावाकाकुना
 अघात्रसपायः काघगंहिनाअगयपाद्रुगः मनामगक॥
 वरावहाघात्रयाउमसः स्यानाहमिवायामसुसत्रगन
 काअनचुककुनाअघात्रसहोयः प्यद्रुक्लिमनामगक
 ॥ ५॥ सहिनिगियागुउमस॥ ॥ ७॥ तिक्कपिययउमस॥
 ५

कयहनु मनु ताहः किः हकिः व्वेम् तपसः सधः सिखाद्रु यसः
 रुद्रुधउसांयाहयातिः कूटकिः विहाः निहतयातिः पिपनामू न
 गनभूथाः कृतंजः सावाः आनयः सिंजाययातिः पातूयातिः
 दलाः असुगंधः वक्किः कूटः प१ पंकाविकं प१ तंरवः ५८
 मगचायडियीक दायकं रुनाः ५७ उमसुतं मतामगक रुना॥ ॥
 मादह्याकः कलाहयाउमस॥ ५॥ ॥ ५॥ किस्वानयावातः पगकयापू
 थनिगानस दयकाअज्ञासुसथनः मतामगक॥ ॥ केरिअ
 याउमस॥ ॥ चवकेयाहाः कयहनु तंरवस निनापाकः ५७ उमस
 तं मतामगक॥ ॥ ५७ उमसुदनिचयोगमंगकनः एनूवमात

सूनकंकुतिः रूपकमियास्वाहा श्रीहनुमंतकाध्वन ॥ पूय ॥
 पांऊतिउमसा ॥ ॥ कमु तउं जायपवि कि हं गतन जी यि
 मू सपस हिं पानऊति ॥ ॥ मिश्रासाकयाउमसा ॥ ॥ जाय
 पवि तउं पूजासिद्ध कमु किं ऊंगिहत्त ययगुति साधन ॥ ॥
 ति हितं तस नू ताउ मितास हय मत्तामगक ॥ ॥ घातऊ
 याउमसा ॥ ॥ सिद्धययानूं साधन धन दायकाउ ॥ ॥ तंतसहि
 यधन ॥ ॥ उरूम कुं ॥ ॥ सिद्धताउमसा ॥ ॥ सिद्धि गवता ऊ
 सुय गातलां रुसहा वं सतावं रूपक स मल पिपी ॥ ॥

आसतंमत्तामगक ॥ ॥ किमिदायाउमसा ॥ ॥ मत्त हिं तवि चारु
 चं आसतंमत्तामगक ॥ ॥ थसाउयाउमसा ॥ ॥ सुं पिपी मल माहल
 सद्गुवि पालूगीवलानय मत्तामगक ॥ ॥

मत्तामगक मत्तामगक मत्तामगक

धा

ध्यो तोला १ चाकु तोला १ मत्तामगक १ मत्तामगक १

फयलुयादासध्या चाकु जि को जायपत्रलं मलिवतरो १ ध्यो १ चाकु तोला १
 जि को जायपत्रतोला १
 तोला १ चाकु तोला १

फयलुयाक श्री-
वासवापानु

समयमात्रे मन्त्रिहस्तकाल
समि श्री सदायमात्रे गपत्पादि सनगुनरि रज भास रासा मय
ध्या तोला १ चाकु तोला १ जिफे तोला १ जायपत्री तोला १ लकं फ १ मरिषता गो १ ॥ १० ॥
छुनि वासनं शुद्धा न ध्या ले चाकु वास थातया ॥ ११ ॥ व के फयलु पुत्र गुधान
नयक वासत्वने कावि ॥ १२ ॥

वासवापानु

सर्वस्वस्ति श्री लक्ष्मणमात्रो ग्यात्मादि ०—

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
कृतं

ध्यातोला १ वाकुतोला १ जायपत्रतोला १ मन्वताग्व १
नवं १ ७ १ सुकमल १ ७ १

स्वस्ति श्री लक्ष्मणमात्रो ग्यात्मादिलक्षणगुण निष्कराग्रभासा मन्वता

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय १ जि को गो १ जायपत्री तोला १ मन्वतागो
१ ७ १ — मन्वतागो १ तसं जि स्रजतस्तसि जि ७ ३ मन्वीवतासास्त
स्वस्ति श्री लक्ष्मणमात्रो ग्यात्मादि

ॐ नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगुरुभ्यो नमः
ॐ ऐं ह्रीं कामरूपी ॐ नैः आकाशवायुह्याह
ॐ ऐं ह्रीं कामरूपी दुर्गे आकाशवायुह्याह

नौ ठगाह सती पुष्प निगूजा वात ॥ ॥ चेजापा भाग ॥ ॥
मले - ४ इष्ट २ तेंभु - २ पद्मचा २ लवी २ मुन्दमेन ३ मुलाव ४ हीळपो २ चीळपो २
जेपत्री २ सीलाजीव २ लीची २ जीमी २ मुंठ २ कतापाता १ चउ १ दाळची २
जीको १ ही १ नावु ला पोला भाग १ दुदु की गली हा १ साचो ३ माता ली थोलात
भाग चहा साका दोले वही छक दोले ने भाल स मुदा वीदि पावन रोग नात ३६

495

मय. सिंह. धनु. पूर्वसचनुमा ॥ १ ॥ वव. कन्य. मय. दक्षिण
 सचनुमा ॥ २ ॥ उता. मिथुन. क. म. पश्चिमसचनुमा ॥ ३ ॥ क.
 क. व. चिक. मीन. उतासचनुमा ॥ ४ ॥
 गद्यशतसां. श्रीवन्दमामशमलातकाश. काशसिद्धशुथी ॥
 खशमलातकाशनसा. थशतयदूः खशुयी ॥
 लिङननातकाशशनसा. मृथरुया ॥
 थशकशतयशनसा. सर्वलारुदयी शल. थतिचंदमाशान
 आसुवयमाल. चंदमाशारुशला ॥

अथमनिधनयादिन
 न ४ कालवला
 न ८ सुतवला
 न १२ नागवला
 न १६ उदगवला
 न २० वलवला
 न २४ लारवला
 न २८ मृगवला
 न ३२ कालवला

अथमनिधनयादिन
 न ४ नाहवला. सर्वसिद्धि
 न ८ उदगवला. इतगमन
 न १२ सुतवला. उ. व. सर्वसिद्धि
 न १६ मृगवला. धनत्राह
 न २० वलवला. इतगमन
 न २४ नागवला. एयकानी
 न २८ कालवला. कष्टकाली
 न ३२ नाहवला. लवतार

अथ आदिष्ट वात्रयात्रादिना॥

आ ४ उद्योगवला
आ ८ चतुर्वला
आ १२ लारुवला
आ १६ अमृतवला
आ २० कालवला
आ २४ गुरुवला
आ २८ नागवला
आ ३२ उद्योगवला

अथ आदिष्ट वात्रयात्रादि॥

आ ४ गुरुवला • गुरुकर्म
आ ८ अमृतवला • गुरुकर्म
आ १२ चतुर्वला • गुरुकर्म
आ १६ नागवला • कष्टकाल
आ २० कालवला • कष्टकाल
आ २४ लारुवला • सर्वला
आ २८ उद्योगवला • दूतगमन
आ ३२ गुरुवला • गुरुकर्म

सामवात्रयादिना॥

सा ४ अमृतवला
सा ८ कालवला
सा १२ गुरुवला
सा १६ नागवला
सा २० उद्योगवला
सा २४ चतुर्वला
सा २८ लारुवला
सा ३२ अमृतवला

सामवात्रयादिना॥

सा ४ चतुर्वला • दूतगमन
सा ८ नागवला • अगुरु
सा १२ कालवला • कष्टकाल
सा १६ लारुवला • गुरुकर्म
सा २० उद्योगवला • दूतगमन
सा २४ गुरुवला • गुरुकर्म
सा २८ अमृतवला • सर्वला
सा ३२ चतुर्वला • दूतगमन

मंगलवात्रयादिना॥

मं ४ प्रागवला
मं ८ उद्यागवला
मं १२ वनवला
मं १६ लारुवला
मं २० अमृतवला
मं २४ कालवला
मं २८ गुरुवला
मं ३२ प्रागवला

मंगलवात्रयादिना॥

मं ४ कालवला. कष्टकात्रि
मं ८ लारुवला. सर्वलारु
मं १२ उद्यागवला. दूतगमन
मं १६ गुरुवला. गुरुकात्रि
मं २० अमृतवला. गुरुकात्रि
मं २४ वनवला. दूतगमन
मं २८ प्रागवला. रमकात्रि
मं ३२ कालवला. कष्टकात्रि

बुधवात्रयादिना॥

बू ४ गुरुवला
बू ८ अमृतवला
बू १२ कालवला
बू १६ गुरुवला
बू २० प्रागवला
बू २४ उद्यागवला
बू २८ वनवला
बू ३२ लारुवला

बुधवात्रयादिना॥

बू ४ उद्यागवला. दूतगमन
बू ८ गुरुवला. गुरुकर्म
बू १२ अमृतवला. सर्वसिद्धि
बू १६ वनवला. दूतगमन
बू २० प्रागवला. कष्टकात्रि
बू २४ कालवला. कष्टकात्रि
बू २८ लारुवला. सर्वलारु
बू ३२ उद्यागवला. दूतगमन

वसुधायादिना॥

व४ गुरुवला

व८ नागवला

व१२ उद्यागवला

व१७ वलवला

व२० लारवला

व२४ अमृतवला

व२८ कालवला

व३२ गुरुवला

वृहस्पतिवात्रयात्राणि॥

वृ४ अमृतवला • सर्वसिद्धि

वृ८ चनवला • दूरगमन

वृ१२ नागवला • कष्टकात्रि

वृ१७ कालवला • कष्टकात्रि

वृ२० लारवला • सर्वलार

वृ२४ उद्यागवला • दूरगमन

वृ२८ गुरुवला • गुरुकात्रि

वृ३२ अमृतवला • लारसिद्धि

गुरुवात्रयादिना॥

गु४ चनवला

गु८ लारवला

गु१२ अमृतवला

गु१७ कालवला

गु२० गुरुवला

गु२४ नागवला

गु२८ उद्यागवला

गु३२ चनवला

गुरुवात्रयात्राणि॥

गु४ नागवला • कष्टकात्रि

गु८ कालवला • कष्टकात्रि

गु१२ लारवला • सर्वलार

गु१७ उद्यागवला • दूरगमन

गु२० गुरुवला • गुरुकात्रि

गु२४ अमृतवला • कार्यसिद्धि

गु२८ चनवला • दूरगमन

गु३२ नागवला • कष्टकात्रि

१७ नमः श्रीगुरुगणेशाय ॥ आदिश्रवात्रघ्नपूर्वगमन-कार्यसिद्धि
 सामवात्रघ्न दक्षिणगमनस-कार्यसिद्धि ॥ २ ॥
 मंगलवात्रघ्न पूर्वगमनकार्यसिद्धि ॥ ३ ॥
 बृधवात्रघ्न पश्चिमगमनस-कार्यसिद्धि ॥ ४ ॥
 बृहस्पतिवात्रघ्न पश्चिमगमनस-कार्यसिद्धि ॥ ५ ॥
 शुक्रवात्रघ्न उरुगमनस-कार्यसिद्धि ॥ ६ ॥
 सतिश्रवात्रघ्न पश्चिमगमनस-कार्यसिद्धि ॥ ७ ॥ सिद्धिगमनपत्रिकाश्लो

पूर्वससतिश्रवात्रघ्न उरुगमनस- मङ्गलगमनस-जंगयाला
 नयाङ्गन ॥ १ ॥ आदिश्रवात्रघ्न उरुगमनस- मङ्गलगमन
 सा- नयाङ्गन ॥ २ ॥ मंगलवात्रघ्न पश्चिमगमनस- मङ्गल
 गमनस- पक्षाघातनयाङ्गन ॥ ३ ॥ बृहस्पतिवात्रघ्न दक्षिणगमन
 स- मङ्गलगमनस- रक्षेनयाङ्गन ॥ ४ ॥ शुक्रवात्रघ्न आग्ने
 यगमनस- मङ्गलगमनस- वृषाह्ननयाङ्गन ॥ ५ ॥ सामवात्रघ्न
 वायव्यगमनस- मङ्गलगमनस- क्रयकस्रया- नाथुस्वार्नकुनाङ्गन ॥ ६ ॥

बुधवातघ्नः नैऋत्यशान्नमतः। मशामगताः गवयनमाशनः॥

॥ १ ॥ धनं शान्नवान्नमतः शिवान्नयायमातः॥ ॥

हंकाकि॥ ॥ मय॥ वय॥ मिथून॥ कर्कट॥ सिंह॥ कन्या॥

उता॥ वृश्चिक॥ धनू॥ मकर॥ क० म० मीन॥ ॥ ॥

मास॥ चै० च० शु० क॥ वै० श० व० च० क॥ क० व० ग० शु० क॥ आ० वा०

द० दि० क॥ आ० श० न० गु० क॥ ए० द० य० द० य० क॥ आ० श्वि० न० की० क॥ का०

श्वि० क० का० य० क॥ मार्ग० मि० न० थि० क॥ पौ०ष० प० य० क॥ मा० घ० मि०

क॥ रा० शु० क० चि० क॥ ॥

(६)

नक्त्यया॥ ॥

श्रुतिपीनक्त्ययाः सतवाहां दशाजानः सतसत्त्व॥

एतृपीनक्त्ययाः प्रगवाहां मनुष्याजानः किमिसत्त्व॥

कृत्तिकां नक्त्ययाः श्रुतिदूषुवाहां नाकुसजागः शाल्यसत्त्व॥

श्राहिपीनक्त्ययाः एतृसावाहां मनुष्याजानः नागसत्त्व॥

मृगमिथुनक्त्ययाः चलावाहां दशाजानः नागसत्त्व॥

आश्विनक्त्ययाः नागवाहां मनुष्याजानः शिवसत्त्व॥

पूनर्वसनक्त्ययाः यतृसावाहां दशाजानः लोमसत्त्व॥

सुखानक्रयया. पूर्वकलसवाहां. दडाकाग. चा लसत्॥
जुष्टीमानक्रयया. कायवाहां. नाक्रमकाग. लोसत्॥
ममानक्रयया. मवाहां. नाक्रमकाग. चु लत्॥
पूर्वहानुमीनक्रयया. लाहवाहां. मनूयकाग. चु सत्॥
उत्तनहानुमीनक्रयया. लाहवाहां. मनूयकाग. मा सत्॥
हमानक्रयया. कि सिवाहां. दडाकाग. मस सत्॥
विमानक्रयया. द्रुमवाहां. मनूयकाग. धू सत्॥
स्वानिनक्रयया. दूवाहां. दडाकाग. मस सत्॥

विमाघानक्रयया. दूपिवाहां. नाक्रमकाग. धू सत्॥
मनूनाधानक्रयया. हंमवाहां. दडाकाग. नला सत्॥
दुखानक्रयया. कापलवाहां. नाक्रमकाग. चला सत्॥
मूलनक्रयया. हंवाहां. नाक्रमकाग. विचा सत्॥
पूर्वाद्यानाक्रयया. तिववाहां. मनूयकाग. मा क सत्॥
उत्तनाद्यानाक्रयया. तिववाहां. मनूयकाग. मा क सत्॥
अवलीनक्रयया. ननवाहां. दडाकाग. मा क सत्॥
धनवानक्रयया. आलवाहां. नाक्रमकाग. रिं ध सत्॥

भगवति नक्रयया. भूजा वाहा. नाक्रय जाग. मत्तमत्त्व ॥
 पूर्ववत् नक्रयया. का प्रवाहा. मन्व्या जाग. मासत्त्व ॥
 उरुन वत् नक्रयया. का प्रवाहा. मन्व्या जाग. मासत्त्व ॥
 नवमि नक्रयया. चक्र वाहा. दंडा जाग. किमि मत्त्व ॥

राधे नारायण नकुल साहू

अम्बिसि नक्रयया ॥ ॥ अम्बिसि नक्रय जाग ॥ द्विगान. विं समूह
 ७. सदवाहन दंडा जाग ॥ उक्ता दिदवता ॥ अम्बिसि नाय निरुत्त ॥ उ
 नंग सत्त्व ॥ उरुन वत् नक्रयया ॥ मत्तमत्त्व ॥ अम्बिसि नक्रय ॥ अथ भुगा जाग ॥ पी
 नवमू. अक्रय जाग ॥ सवंग क्रय ॥ नूप जाग ॥ हति दयि ॥ लमि रुयि
 ३. अनया नाय क रुयि ॥ नायू स्व हाडा रुयि ॥ धन लायू ॥ रुका
 उरु हायू ॥ लमि रुयि ॥ कनम रुयि ॥ मिद रुयि ॥ दवपू
 जा हायि ॥ धर्म सनय ॥ रु सन कर्म यायू ॥ मत्त रुयि ॥ सासु रुयि
 ३. जाग उरु या क रुयि ॥ निहा कार्य सिद्धि रुयि ॥ धूरु रुयि

ॐ अतिमनसं रत्ना रुयि ॥ धनिरुयि ॥ कृषिरुयि ॥ वानरव
 सुद्विरुयि ॥ तिष्ठंति रुयि ॥ धनदयू ॥ वानिधक रुयू
 नाकसुता रुयू ॥ दममसुवतायू ॥ धनमथाक ॥ ५५ नवे
 धि ॥ स्वकसंगपदयू ॥ मामवदुतयू ॥ विउविश्याग ॥ धनधूयू ॥ कलन
 हाक रुयू ॥ माचोदुननपथाक ॥ अहंकनिरुयू ॥ नसदगति ॥
 मवयाक आसागयू ॥ म. रिं. खानस. नय रुयू ॥ सुताउधम ॥ आहा
 नविना ॥ का. धलि. घत. कलि. नाहा. ययू ॥ धाउ. वाग. पिरुनागः
 आह. अगिहान. मादस्याक. सागस्याक. मिखास्याक. अजीर्न रुयू
 कच्छ. धमनाग ॥ अकानमृग ॥ वर्ष ८ अगिहान. वर्ष ५ अगिहानवे

सूर्य. ६१२ अगनानावथा ॥ अगिहाननमृग ॥ वर्ष १८ नागनपुनि
 ॐ हिषठघानरुयू. वर्ष २९ संगमसुतयू. वर्ष ३२ अगन. अगिहा
 ननमृग ॥ वर्ष ५० वेनाग ॥ अगिहा अगिहान. तयदेव ॥ धम. दि. य. रु
 गसावर्ष ७० आयू ॥ १ ॥ एतन्मीनक्रुज ॥ जीगानच. उानकम ॥
 पंचदममृक ॥ सानित्यायनिगा ॥ कमदवगा ॥ ऐनवविषू. अगि
 दवगा ॥ पुगवाहन. मनुकजगि ॥ गऊसुत. अंगदक्रु ॥ मधनासि.
 उहानहान. अथसगाऊग ॥ पीगवर्ष. उयधलाव ॥ अविचग. नाय
 धि. धूयू. आनखान. वचनहायू. लकडान. लागीखानिरुयू ॥ दव
 याकयूऊहायू ॥ अगिगुनरुकिरुयू ॥ सखलागहिनान. मिशगाम.

गाय॥ वातरवस इति॥ तिथिं सधिरुयू॥ यनर वनाहानिह॥ धनम
 शठ॥ पनधनसनाह॥ वाताहा॥ खंवा॥ आनंतस॥ समरु॥ कार्यस॥ सि
 धि॥ नाऊ लोवक॥ झमहाउ॥ नमकानि॥ भवनसुयमरु॥ व॥ का मि
 रुयू॥ झमवसुधरुयिउ॥ कायमचा दयिउ॥ नखसमसुन॥ धन॥
 स्वराव॥ धउकामन॥ नाग॥ जान॥ आहान॥ ना॥ हा॥ इ॥ धरि॥ धान॥ के
 लि॥ खायू॥ पात॥ धनययू॥ अगिसान॥ बाधिक॥ मादस्या॥ चान
 स्याक॥ धननाग॥ अकानमृयू॥ वर्ष१॥ अगिसान॥ वर्ष८॥ वा॥ धान॥
 मिखास्याक॥ वर्ष१०॥ मृयू॥ वर्ष१८॥ जाननपूयू॥ वर्ष२५॥ जान॥ मृया
 लय॥ ससुनधानखं॥ वर्ष३०॥ मिखाहय॥ वर्ष५०॥ दवया॥ दाधनआ

नसद्वियाग॥ धनद्वियमरुगसावर्ष७०॥ म्वायिउ॥ २॥ ॥
 कानक॥ जान॥ धननवनससुन॥ विंगनिमृयू॥ महसुनदवगा॥
 स्वदवगा॥ अगिदवायमि॥ ग॥ अगिदसुवा॥ न॥ ना॥ नरुजा॥ नि॥ न
 कवर्ग॥ पूर्वजान॥ अंगदक॥ उया॥ ६१॥ सुकु॥ क॥ ६३॥ म॥ वनाहि॥
 पा॥ ६४॥ वनाहि॥ पा॥ ६५॥ म॥ य॥ स॥ ग॥ जान॥ धनद्विदयू॥ उ॥ म॥ कर्म
 ग॥ क॥ दयू॥ उ॥ म॥ य॥ ल॥ गि॥ उ॥ ल॥ न॥ र॥ के॥ म॥ व॥ या॥ द॥ व॥ म॥ न॥ च॥ दि॥ उ॥ पू॥ जा॥
 मा॥ नि॥ म॥ गि॥ म॥ च॥ मा॥ म॥ ३॥ म॥ द॥ यू॥ का॥ य॥ क॥ स॥ म॥ द॥ यू॥ वा॥ लि॥ ठ॥ य॥ ज॥ उ॥
 न॥ ख॥ स॥ यू॥ स॥ य॥ वा॥ दि॥ रु॥ यू॥ धी॥ व॥ व॥ च॥ न॥ हा॥ यू॥ ह॥ ति॥ मि॥ उ॥ द॥ यू॥ स॥ म

कृत्वा कडा नायू. दववा नून. अणि थयुनयाक लकिरुयू. म. वि.
 सनयरुयू. थडा दनमधनमायू. मिथूनसंगवरुयू. कधिरुयू.
 वनसमतिठ. इतिरुयू. थउ. पिरुकरुनाग. धनसुहाव. आ
 हनधन. जा. इइ. धति. धन. क. ना. ठा. धनययू. थउ. पि
 ठकरु. अकानमयू. ६१ जान. स्याक. सिक. दयू. ६६ वेउघाठन
 घा. ६१४ जाननयूयू. ६२० यूयालय. सुमुठ घानखठ ६२३ सुय
 यालय. ६०४ कास. स्वास. धनदिगहा ६७० म्यायू. ३ ॥ नाहिनी
 नामन ७७७. चत्वा निमूक. हनदिहा वाहन. मानू ७७७. नाग

ॐ
 भत्त. पीगवधू. पूर्वघान. वाक्कनकर्म. थकुनय. दवनासि. अ.
 थगाऊग. प्रीतिमधम. प्रसादकरुयू. धिनगमीन. मिखा. मिगद.
 यि. सुखखहायूडा. धनलागदयू. थकरुयू. सा. म. सन. लागद.
 यू. कनाग ७७७६६६. कायमचदादयू. कोउहनखहाय. दवअणिथ
 गुनयाक लकिरुयू. व. जाधि. म. वि. सनययू. धर्मिकहासुसयिव.
 धनसुहाव. थउ. वागपिरु. आहान. जा. इइ. धन. धनि. कसिययू.
 व. नागजान. दाघ. केरु. सुय. पननाग. खानमतिठ. धननाग.
 अकानमयू. ऊ. म. रु. मु. न. खानमनिव. ६३ जाननयूयू. व. थ. द.
 यिव. ६१४ कथस्याक दयू. क. ६२० यूयालय. सुमुयालय.

पितृत्रकानयालयः ६३० धनमायूः धर्मद्विगच्छाडाः ६८९ म्यायू ॥
 ॥ ४ ॥ मृगसिंहानक्रयजगः पंचगानः चनालाहान ६३३ जगः पी
 गनकवर्णः पंचदशमसूक्तः मृगयनिगमः पुत्रकृत्तयाद २ वृध
 क्रयपाद २ वृधनासिपाद २ मिथूननासिपाद २ नागसलेदवकर्म
 अथसृगाजगः सिनसाहावृहिटः धर्मजानेवनियाकृयित्वः मथूनि
 वृः नाजप्रसादकायित्वः आहिटः लाकवदयाधूतिवः मिखागाकायित्वः
 मृकृवृकः गलीनखसयित्वः हृनिहृयित्वः दवयाकृपूकाहयित्वः चंचन
 मनहृयित्वः हृदजुदिकदयित्वः नागिकृयित्वः ध्यानखिनययूः सनहिः

नीवृः खिसनयकृयूः पूनवृहृतसर्चः मिखासहावृकृयूः हृनहायूः मि
 उकार्जसमसः धर्मसहावृः धर्मवृहृतसर्चः दयित्वः कायदयित्वः धर्म
 चनिगः ॥ अहानः ॥ धतिः घनः कस्तिः इद्रः चाकूः नाः छाः धर्मययित्वः ॥
 धाउवाकृपिकः नागः अगिहानः कामनः नानावाधिककृहृनः नागः
 धगाः ॥ अकानमृयूः ॥ ६४ गंदमाहाः कृनः ६८ अगिहानः हियंदृवृः ६
 ॥ घूयालयः मथूयालयः ६२५ मथूयालयः कनागनवसयायित्वः
 अहिवानयालयः ॥ मथूयायानिमिर्हिनमृयूकृयित्वः ६३० कृननपू
 यित्वः मिखास्यायित्वः ६५० मत्तवनहास्यंतननयंदहयित्वः हिव

छद्यानदयिवः भगदियदुनसाः दलाम्बायिवः ॥ ७ ॥ आडानक
 उजागः पंचवलात्रिमूकः ॥ सुदवगाः वसिष्ठः ॥ विवाहनः मनू
 कजागः ॥ स्थानसत्वाः पूर्वज्ञानः ॥ अथवानकः वर्धः ॥ वृधः ॥
 मिथूननाहिः ॥ अथसगाजागः ॥ नाऊपुसादकः ॥ काहिनीवः ॥ मिखागा
 हाहयूः ॥ गऊवृक्तः ॥ एहयूः ॥ नित्यहूः ॥ वृद्धिवर्तः ॥ गमकात्रिहूः ॥ म
 वसायमरुतः ॥ कृवतमवः ॥ माखमयाकः ॥ आसवृयमयवः ॥ एवय
 यूः ॥ अचिनवचनः ॥ एवंवाः ॥ अयमानमहातः ॥ नृन्दकः ॥ ववृमयूः ॥ सचक
 दयूः ॥ सासयूः ॥ थकहूयूः ॥ अयूत्रवः ॥ पिस्रतावदयूः ॥ वात्रवसुद्रिविनि

थंसुखिः ॥ भगवत्तावः ॥ आहानसंस्तुययूः ॥ अथकर्मः ॥ अउवाग
 पिलुः ॥ नागः ॥ मिखास्यायूः ॥ छाथस्यायूः ॥ दठययूः ॥ अत्रसंकष्टिः ॥ अ
 ननागः ॥ अकानमयूः ॥ द२मादस्याः ॥ अउमीनपूयः ॥ दं ॥ सिमा
 नकूमिंअनिवः ॥ स्वहाननकूमिंअनिआः ॥ उचिआदिनकूमिंअनि
 आः ॥ द२२विनहायूः ॥ एहिनवृस्ययन्यदूः ॥ द७उतसंनिपागः ॥ दं२०
 पनाहिचीनः ॥ जानमादस्यायूः ॥ भगदियदुनसाः ॥ द७नम्बायूः ॥ ७ ॥
 पुनर्वसनः ॥ अजागः ॥ दिगानः ॥ पंचदममूकः ॥ वृधदिदवगाः ॥ आ
 दिह्यदवगाः ॥ वसिष्ठः ॥ पद्मवाहनदउजागः ॥ माऊनिहसत्वाः ॥

मृत्पथरुषूवर्षूचतुक्रुत्कर्कटनासिनाऊकर्मअथमुगाजागा॥
 गवइरिवरुयित्वानखसदत्रिउतिथंभुविरुयिआऊवधर्म
 वगदउाहकिंरुयूअऊनसवगगयूउाखसुरुवग्यागिरुयूव
 रूपयायकिंरुयूआधिरुयूछाहायूससियवुरुववचननायू
 वेरुसुभाजग्यायूवअगिरिंत्वापूअमानिखवाएगिरुवनूप
 पायकिंरुयूआधिरुयूछाहायूअसुखल्लायूववाछसउनि
 वरुयूअचमाचाकायसअगिनसक्रंउमाचादयिउाकाय
 दयेउाअचमाचानिमिरिंनकनउरुयित्वमिसाऊनसना

मिसाहाप्ररुयूअहावधनआहानपातत्वायूपाउंइइध
 तिअनमाधनचिहायनसंगाधधउवागमिरुनागअ
 गिहानक्रसुहाकऊनपागस्याकमादस्याकनागधनआ
 हानमृयूद२अगिहानआनद२०नानाव्याधिप्यंगनागदं२०
 घात्रायूद२४आनहाघद२२त्रिथंअनमृयूरुधनदियरु
 गहाद११म्यायूउा॥ ८ ॥अनहवागनक्रुऊआनपंचदसमूक्रुह
 हर्मयनिवउनागदवगाकखवाहाननाक्रुऊआनमाऊनसुखपूर्व
 वानभागवर्षूअथवाकयूवर्षूचतुक्रुत्कर्कटनासिवागुनकर्मअ

धसुगाजान. गऊपायचिह्नयितु. अमे कुसुधनिवृकर्मचिन्ता नि
नन कर्मयायितु. संसिहृव. विज्ञानमवयां कचमाचायाक
नसहृव. मिउसिनहहृव. कचमाचानिमिहिनिहृवसिहृव. कच
माचानिमिहृवममहृवमृनिनाहिकचंगअहंकाविहृयुव. वचन
चक. असुयव हृयुव. जानिहृयितु. पत्रमहृवसहृव. सुसहृव.
चकहृयितु. धनसहृव. आहान. ककि. हाक. हिह. धनि. नाक. ना.
हा. धययुव. धउवागपिलुनाग. नाऊलयप्यंगनागकनह. व्याधि
हृयुव. अमिहृव. अकानमृयु. ६१ जानमनिवृ. ६२ मऊयाहृय.

जानमृयु. ६२२ सूर्ययाहृय. मृयुयाहृय. ६३० सिमास्वाहान
नकृमिनजानहृव. वृयाहृयमऊयाहृय. मृयुयाहृय. ६४२ अ
मिहृव. नाऊलय. मऊयाहृय. मृयुयाहृय. धनदेयहृवगसा
६५० म्यायितु. ६११ मयाजकऊजान. पंचगानविंमनिमृहृ.
पिरुदवगा. विंगनायिनिमृव. अतवाहाननाकसृजानि. मृ.
विकसत्य. मिगवर्षनीतवर्ष. कविकर्म. अथवास्यामवर्ष.
हृमिहृव. आदिहृव. सिंहनाहिअथगुताजान. नाऊपसा
दिक. गऊवृनहृव. हृव. हृनवीनहृव. वनजान. सननायुव. स्व

एव एगिरुयिन्नः कचमाचाथववहासदयिन्नः छिन्नानरुयुः
 हनिगाउचकायठाकदयिन्नः वानखसुद्रतिवः त्रिथं सविः ना
 ऊसवकः धनथ्रतिवः मिगनंबचननं चिनरुयुः खरिह संघसमहा
 वः आनसनयह नहायुः आहानः नाः ठाः चिः पातरखायुवः पाउः
 ययुः ५३० पिरुनागः गदमानवेसर्पमाचस्यायुः आनः कामनय
 दसुभवासुयानसियरुवः अकानम सु ६१ प्यं न नागः आनः कदे
 वधुवः ६२ वेसर्पः गदमानः ६३ नानावाधिर्प्यतनागः पुमाद ६१
 ति ५ पुमाद ६२० सर्पन दंसनपा वमृष्टरुयु रुवः ६३० संग्राम

सदयः धर्मादे गहाद ७० व्यायु ॥ २० ॥ पूर्वकारुणी न क्रुञ्जता
गः द्विगानः जीम मूकः ॥ ११ ॥ गगनमगः पापमनः त्वहं वाहानः
मनूकः गः सिंह सत्वः दक्षिणघानः आदिष्ट दवगाः सिंहनासे
वाक्मकर्मः अथसगाजगः हनिदयिवः अक्रनेसतयकृयिवः
विशासयिवः सतवाकृतेनीवः मिखागाहायिवः पूगाहायिवः
गऊवक्रः दवपूजाहायिवः मः खिंसतयः स्थाननकृयययवः
श्रीसमागमः मेथूनसमधरुपूवः क्षमामानिष्क दयू ॥ कायः
भावादयू ॥ धनदयू ॥ समस्तकाकुं सिद्धिरुयू ॥ आनताष्टदयू ॥

वा हा थ य सु द व या सु ज या य ज । क हा वि व ॥ क वा हा न वा वि
 व । अ हा ना रु वि व । स हां म कि न य य ॥ अ न ग मा न का य । क्र मा
 मा म द । ए गि रु व । ध ग ह रा व । आ हा न । ना । हा । वि । पा त । खा
 व । धं ध ग य य व । अ उ । वा रु वि रु ना ग । वे ह र्प्य । पि रु क त ह
 का म त । घा थ स्या य । क स प न का य स्या य । ध न ना ग ॥ अ का ह मृ स
 द र म हा यो धि । प्यं ग ना ग । दं १२ अ गि हा न । क थ स्या क । द १० हि स
 ह घा त हा य ॥ ६२० क वा मा वा या नि मि हि न घा न रु यी ॥ ६३० वि रु आ
 न । प्य न ना ग । ध न ना ग हि न हा द ८० म्वा य ॥ ॥ ॥ ५५ रु न ह ए उ सी

न रु अ का ग । हि ना न । य म घा न । क उ अ धि द व ना । म नि कि । ॥ ५५ । ना
 हं वा हा न । म नू रु का ग । स्व स ह । द क्रि म घा न । ना द १ स र्प्य क उ । पा
 द उ वृ ध क उ । पा १ सिं ह ना हि । पा उ कं न्य ना हि । ना रु क र्म । अ थ स
 ना का ग । अ न ग ह गि द वि व । क उ आ न । ह म रु आ धी नि रु धि । ध न
 आ न । बं जा न रु यी । व न व न । अ रु न ह त य रु यी । ना य व च न । क म
 स का म ना । स ग मा न्य रु यी । नृ थ न्य थ ह । क वा भा उ मि रु न हां । उ
 स ह रा व । क रु व न । ए गि । हि व न क प मि । न ह न रु यी । द व वा म र्प ।
 अ गि थ गु न या क ह कि रु यी । मा म व र्प या क ह कि रु यी । व । स्व ह ।

यद्यपीव कृतवर्णी॥ धर्मस्तथा च आहानना॥ १०॥ धर्मययुः
 धर्मवागपिह नागः आनः कामनः कासः स्वासः मिखास्यायुः॥
 वकास्यायुः अनिसान धर्मनागः अकाने मयुः ६९ ना २ व्याधिः
 पंगः नागः कच्छुः ग्रहनिपादायायुः ६९ सानवायुः ६२२ आतुः
 सिमास्वाहाननकृतिनआनरुः ६३१ निधिसमयुः आनसनि
 पागः॥ ६९१ कृत्तमायाकाननसः अथवा संअमसयानरुणी॥ ध
 नरुगहा ६८० म्यायुः॥ १२॥ हलाननः उजागः सविनिदवगाः
 कासवग्गुः किहिवाहनः दवजागः महियवसुतः दकिमंधानः

नकवर्गुः अथवा कृत्तवर्गुः वृधः ३० कन्यनाहिः वानिष्ठकर्मः
 सगाजागः गजजानः नानाप्रसादिकः सकतवंजाकः कृत्तमाया
 ग्यदयुः मेथुनसः गधरुणीः विखासिरुयीः सुतरुयीः वातुष
 सदनिरुः तिथिसविरुयीः नाजसवायायुः गत्रुनेवतसः धन
 नायुः किनानरुयुः काधिरुयिवः लोकमान्ययायुः भवयायुः
 नतमदठः विगासयुः धर्मसत्यः एगिरुयुः गगांसहिनः
 यडाः पिनवचनः पर्वगहासयायुः जीपनरुयुः वृयवगदयीः
 धर्मस्तथा च आहाननसमस्तं उच्यते॥ धर्मवागपिह नागः

यः अग्निसानः सियद्वयः ॥ ६३२॥ अग्नः संग्रामसहयः ॥ ६४०॥ वृषा
हयः गन्धयोहयः धर्मद्विगता ॥ ६४१॥ वायुः ॥ १४॥ स्वागिनि
अग्नः उक्तगानः पंचदसमूहः कृषिमाधिदवगाः कास्यवः ॥
द्वितीयाहः दवकागः महिषसुतः दक्षिणघातः पुष्टकः ॥ ३८॥
नाहिः दवकर्मः अथसगाजागः पीनवर्णः अथवानकवर्णः सम
संहनिदयूः सकनताकवर्णयूः प्रसदिकः नाहवर्णः बलवर्णः स
चित्रवाकः वचनमहिः अक्रनसपीचः विद्यासयूः आगिदसयूः क
रुसकर्मयायूः बनिजातयूः कायहासदयूः अवाभावानिमि

रुिन ६४२॥ सियूः द्विजानकयूः रुवात्रकयूः धनवर्णकयूः धनधि
नकयूः विलायधनभायूः थककयूः पुन्रवर्णकयूः मुस्तलवर्ण
यूः मिष्टमयूः अष्टयवर्णकयूः रुगाणिनिवः नमकात्रिक
यिवः मवस्तयमरुयिवः मवयावचनमठठः चिकुः त्यागिः
यायकयूः मवस्तयकयूः धानिकयूः धर्मस्वगतः आहानः
ऊधतिः यतः धंययूः धाउः वागपिकः अग्निसानः कामनमाद
स्यायूः नानाव्याधिः घातस्यायूः ऊनगाहाः धर्मगागः ॥ अकान
मयूः ६४५॥ अथस्याकः काहाः स्वाहः ॥ ६४६॥ संग्रामसहयः सानवा

यं. ६१०. ध्यातय. ६१३. ऊन. नाग. धनरिगहा. ६११. म्यायू.
 ॥ १२ ॥ ॥ विष्णुस्नानक्रमाग. ॥ इन्द्रादिदेवता. वानूनादि.
 देवता. विमान. रुयिवाहन. नाकसजाग. व्याघ्रसत्त्व. दक्षिण.
 धान. शुक्रक्रयपाद ३ अंगमनक्रय. पाद १३ तनादि. पाद ३ विच्छे.
 नादि. पाद १ चान्द्रकर्म. अथ सताजाग. पीतवर्ध. अथ वानके.
 वर्ध. हनिदयू. वनवक. लामिरुयू. अमि कुसुरुयू. वानरुयू.
 इरिहनिद्रुयू. व. नननिवनसलामिरुयू. नानावाधिद्रुयू.
 हिरिद्रु. रुद्रादायिद्रु. नानानसगधरुयू. अनगवंधरुयू.

[illegible]

६०४ म्नायू ॥ १०॥ ॥ अन्नूना राजन क्रु उजाग ॥ मे उदवगा विभ
 वधुं दिदवगा. अन्न वाय नि ॥ ७ ॥ हं सवाहान दवजाग. मृगस
 ल. पीनवर्ष. अथ वा कषू वरु. पयि मदान. अंगन क्रु उ. वि
 रुनासि. कधिकर्म. अथ सगाजाग. माहाहानि रुयू. धर्म
 चिना. विदस रुयू. नाक वशी गिरुयू. वाजास रुधिरुयू. ख
 हायस. क्रितययू. माम. ववूयानि मिर्लिनदः खसयू. वायू
 गिरुयू. धनरुयू. गजिसर्जनदयू. मवसुयमरु. खं वा रुयू.
 व्या निरुयू. मानाधिक रुयू. निनान रुयू. चंचत निरु रुयू.

नायावृष्टिदयू. गमका निरुयू. मववृष्टि रुयू. मवइख रु
 यू. उथं २ नागिरुयू. अहान. ना. हा. माध्य ॥ नाग. ॥
 उवाग. छाथसायू. नृगदसायू. मादसायू. आतवस्तिग
 नून. मिरवासायू. धमनाग. अकानमृ. दउरतातमनि
 व. के. ६४ वेहर्ष. पंगनाग. ६९ क. ६१९ जननाहा
 यू. छाथसायू. ६२९ अत. अकसा दसय. ६३० पिठुना
 ग. दवेयाहय. ६४० पंगनाग. धम. दि. १ सा ६०० म्नायू ॥

नरुमनिदुःखरुयु घानरुयु विनहायु ६४० संभमसहय
युयाहय हिषनिव ६४१ मयुयाहय नानागदयु धनहि
महाद० म्हायु ॥ १८ ॥ मूतनकउऊगा मिनिनिमिदवगा
विधनादवगा माकस्यायनि ॥ १९ ॥ ठंवाहान नाकसऊगा वि
वाहल पश्चिमहान दहसमिऊ ३ धनूनाहि कथिकर्म अ
थरगाऊगा माहावूधि आचनहनय काउरुत धनपू
यष्टीस्वराव माहामाया न्यामि नमिन नमिप्रीय चिनान
धनवन गनूनवतहधनहाहाहिरुयु कनूनयु नायव ध

महाराव आहान माक पूउरुयु धंययु काउपिकुआन
छाथस्यायु धननाग अकानमृसु ६५ जान रहानमनीव
६१० हानसायु जान ६२५ जान दाघ स्वाहान सिमानेक
मिंवनरु ६३० जान प्यंगस्याक ६५० युयाहय हिषंघा
नरुयु धनहि महाद० म्हायु ॥ १९ ॥ पूर्वाकहान कऊगा
आयदवगा हनूमनादिदवगा वाचमिवाहन मनूऊ
ग हाहल कं हिना ॥ २० ॥ पश्चिमहान दहसमिऊ ३ धनू

नाहि. उक्त कर्म. अथतुगाजग. ह्यामवर्ध. अथवा. ॥
 वर्ध. धर्मवित्त. न. नवधिकं रूप. चिकुनिधह हाननं
 तदनिव. जीनवानरूप. समस्तनाक वंशी यरूप. धनम
 थके. नाऊ सवक. संग्रामसुनाएदय. वानवसुदनिउ
 ति. र्थसवि रूप. न. वानतककय. नहत रूप. पासा
 पनिसव लायथय. न. चनाउ न. न. मरुत. काय
 मादादय. अचिनवचनचिनदर्व. न. द. कानिप्री. मा.
 म. ववुवंचादिन न्वाययव. य. न. गायि. आहान. साकहि

हयय. न. उवाग. क. रु. व्याधि. छाथसाक. आहानक. का
 ससाह. अ. डि. न. मा. हसाक. ध. न. नाग. अ. कानम. य.
 द. उ. वा. न. सा. ॥ २० ॥ हानवाय. संग्रामसुलयदय. द. २२
 क. र. न. ना. व्याधि. ॥ २३ ॥ जान. सनिपान. ॥ २४ ॥ जान. अ. नि
 सान. ॥ २५ ॥ व्या. लय. च. न. दि. न. सा. द. ७१ ॥ वा. य. ॥ २० ॥ ॥
 उ. न. ना. वा. न. न. क. उ. जान. वि. म. द. व. ना. न. डा. दि. द. व. ना. वा.
 च. नि. वा. हान. न. न. क. जान. मा. क. त. स. त. प. वि. म. हान. ॥

ननायू. पनदभसुसुसिरुयू. नाऊ हवककयू. वनेऊस
 नाएदयू. मिउदयू. क्ववमाहकदयू. लाकयायुपुऊ
 निरुयू. नमिषीनिययू. दिमानरुयू. नाकयाककननाद
 यू. मरुदनययू. दवधभसनययू. महंगरुयू. म.सिं
 हनययू. कृतमृदिकदयू. कुरुकुरुकाधिकयू. आहन्
 समकननूदनित. ५३ वागपिरुहुवउसायू. गनधमसा.
 यू. मितासायू. कृतसायू. आनकिधंमहिनिव. अकनम
 सु. ६४ वेमर्ष. अमिसान. ६१२ साथसायू. अमिसान. ६२०

युयाहय. ६४४ नदिनउतागसुवानमसु. ६५० आनअमिसा
 न. साथसाक. धनहिगसा ६८० भायू. ॥ २२ ॥ धनसा.
 कउआग॥ सफगान. कदवगा. विपूवाहवउनपगउमिदि
 दवगा. जीसमिबुरुहु. आदवाहान. नाकसुऊग. सिंहसु.
 धनयागेवउ. उरुनखान. मनिधनऊ. मऊनाहिपाद२६
 एनाहिपाद२. अथसगाऊग. रुधिकर्म. त्यामवधू. अथव
 नीखहायेव. एनवायू. नाकनगायू. प्रसाविककंधगाहा
 यू. आहिंदका. अकनपीयसिधुहुदधवक. एहनयहानि.

निपुनहानि. नऊहवक. वानमहद निड. निधसवि. घन
मानमहदमानरुव. पनदमहदसवि. कायमावाहद. अह
चंचलविहृतायधंठनिव. वाननाहदयू. मानधिकमाहा.
वृधि. नहनदतकर्क. अनाहवायू. आनन. ना. हा. धति.
घनकक्तिपात. लायू. माइधययू. धाउ. पिहृ. छाथस्या
यू. दूकनमयायू. व्याधिकाह. लाह. कहुमाहस्याक. ध
ननाग. अकानमसू. द२धाथस्याक. अगिहान. द८ना
नाथाधि. पिहृआनद१४उगनपूनिव. द१८संशमसुधान

हयू. द३०. दूकनमयाक. आन. द४०. घूया. मर्या. सुसुया.
नाकावाहय. प्राहवानधमदिगसाद८०. मयायू॥ २३॥ ॥
मेमहिहानक३३. अकगानपंचदसमूह. वनूनदव
गा. विदूदवगा. उ. कायनिग३. धरावाहन. नाकहआग.
उनंगसह. उ३नदान. मनिधनक३. कंरनाहि. अ३धसगा.
ऊग. नकवधू. अ३धवाकवधू. हनिदयू. हनकनाकव
गायू. पुहग. दवपूजा. हनयविशासयू. प्रहृदयू. कतहदयू.

वधूमादवाहिं वागाहायू वाहाचगकठ छात्रहिह मिखाच
उदकस्यनहिह नाजसवक वनजसनाहदयू खागिरुयू
धम्मवावहानिरुयू क्वचमा मं ४४यू कायमावाहयू ध
नायककयू हयवगिरुहयू नमिप्रीयकयू काधहहान
हयू मवस्यवमहयिव अग्रहनमहाव उधं नाग धवरा
वनकयू अननमायावुद्धिहयू मामह धदववनह क
उं वसुदहिरुयू धाननाहदयू म विहनयहव आलन
ना हा पानू खायूमाह वि धययिव अकिर्तुअगिरान

कामनक आन मिखाह्याक धमनाग अकानमयू ६१
धमनाग ६१२वेहपिआन सानवायू ६२० क्विनावेनि
६१३अननूवदह्याक धमहिगसाहदह म्यायू ॥ २४ ॥
पूर्वहउनमयूआन विमानविंधमिमूहू अहिद अमिदव
ना कुममकर्महंरुवायनिगु ३ कयमेवाहनमनूकअग ॥
नवतहत्वमनिधनमयू पादउदहस्यमिफउपाद १ क्वेना
हि पादउमीननाहिपाद अथसगाआग धमवधूनकवे
धू धर्मचग ग्याहधूमिखाहमक्त गुवाहनहयू नकहयू

हानिरुयू विद्यासुयू सविहयू वानमसुदनिडु धनवनेऊ
 सुहागमइ धनमथाके वक्रायसुहृनययू नपुनकायसुयू
 सितसुहावसि मविहृनयसुहृनययू नमिथीनि मा
 यावृद्धिदयू हृनृषाकयू सुसुयिव हतिवमनायू मवनन्या
 वमयाक मसुमासाययू अहंकानिरुयू कविम्याहृनू अ
 हिदक मचमा मंड हयू कायमाचा हयू आहान ना उ पाउ
 कायू ककिधययू पाउवागपिहृ वानसुहायू अम आहृननके
 कइ अमिसान प्रीहअकिर्त धमनाग अकासमसु २४ वानसु

गस्याक २८ मिरवास्याक आन दाह २० अमिसान वानस्या २२
 आन सुनियाम २३ अमसुहृनययू धमदिगला २० म्यायू ॥
 ॥ २९ ॥ उहृनहृन मउआग ॥ दिगान पंचमहात्रीमू कर्तु धन
 कयनिगवृ ॥ अहिबूधदवगा कयमिवाहनमनू कऊमि सिंहस
 त्व ऊकदिदवगा उहृनहृन वधहृनिश्रु मीननासि श्रु
 ठिकर्म अथसुगाआग पीगवर्तु अथवानकवर्तु कधिकर्म
 धर्मवग मंसिनमिरवा समक सुहअथव दवमूकासुअमिन
 य स्यामि हानिरुयू सम्वहृनमसुनया मविहृनय विद्याव
 ने चिनान सुहाग ममगनिउदयू हृनकायू धमसुहावक

मई इकि रुयु वानवसु दानिडु निधं हवि धन धनिव निखा
चवउ दहसमान दहसि कथु वा इनान प्रतिक अनंग
खहा यहाव कसयु गवइत रुयु भाया वृद्धि दयु पनदह
मसवि लापु हान फुचमा या अनवनिव क्रमायाय हं तं
खहमसु दनकुययु प्रवनया हा कनेतम दह खहन
यु धपुनय सुखहाव आहान ऊ इधनि पातक कि खा
यु पाउ धययु नाग धाउतमविह अकानम सु ६३ वं ह
मय ऊन म सु दह हागस्या यु अकि हं ६१९ दवधवनम

निपाग ६२२ विनहायु प्यंगस्या क ६३९ संगमसु घा ६ अस
नचायु धगदिमहा ६७९ म्हायु ॥ २७ ॥ ॥ नवावीन रुयु
ऊग विगानधिं न निमू हं रुयु दवगा गंधर्व आदि सु अह
हागिन्याय निवउ चकुवाहन दवऊग गऊ सुख उहने घान रे
हसगि रुयु मीनना सिऊ हयऊ म अथसगा ऊग धर्मसुवा
ह अऊनराव खान ह म उयव व्याहनह वानिव धनवना
वानवसु दानिडु कसयु रुवान खरुयु गवइः खिरुयु अन
गमिउदयु छिनान सुनावीन रुयु धाक निहान रुयु क्रमाव

न० चणमहिं न्नचमास्व न्नदयू कायमाचादयू वतत्वानि
दयू आहान धनिधन कति ना हा धययू नहनरुयू आ
हानधग ॥ नागधउवागपिरु अकिभूंअनिसान ऊन घागस्या
क कास स्यास अकानमृत्प दष्टत्वानमनी घागस्यायू द
१२ जान मिखा स्याक द१० नानागा द२० धूयालय मसन
वायू सिमास्वाहाननक्रु गिनवयू द३० संग्रामसल्लय द४
येनामृहिवानरुयू नगतस्याक दयू धगरुनसा द५० म्बायू ॥
ब्रिधिनिक्कुजमाता दृतसमाफ ॥ २१ ॥ ॥

१ प्राग ॥ व्यहं वलि ॥ अगमयंथका आगनया ॥ काहा
सा तुमधा ॥ १ ॥ थकितरयाहा मंदनवाला
आ तुमसागन आ ॥ हं ॥ अनिस्वतृय मंदनवाला का
हा सा तुमवलि आ ॥ १ ॥ अनिननाही नागिनी
कूकून हिमागन आ ॥ हं ॥ तुमनीदानहामनहिमाग

अद्वयकामका आरू ॥ २ ॥ काहा तुमात्रा जन्मह
मि. कोन्य तुमात्रा मांरूह ॥ कोन्य तुमात्रा जात किर्व
मी. कोन्य काजकी आरू ॥ ३ ॥ रमकूलहमात्रा
जन्महमी. यसादाहमात्रा मांरूह ॥ जातहमात्रा
दवर्वमी. कमलगात्रल आरूह ॥ ४ ॥ जप्रिय

कमलवहगरू. साहिलियका आरूह ॥ मकू
टकादिया उपदसवहु लिघन आरूह ॥ ५ ॥
जप्रिय कमलहामका कूकनई. कोनकाजकोला
रूह ॥ अयिस आरूक प्रियकी समितकी कमलया
हिय ॥ ६ ॥ बहगरुव नकनावाला. नागकहक

नञ्ज् ॐ ह ॥ ऊवजागरयाह कालीनागः निम्ब
यकुमकाषावगम् ॥ १ ॥ कावालनागिनिहाम
काञ्ज् नया ॐ ह ॥ अदगुतहामसाधलः केम
हामकाषा ॐ ह ॥ २ ॥ विनतिहमात्रासूदन
वालाः तमायावसमा ॐ ह ॥ सित्रकि कमलता

त्रिदताः नागमात्रिका ॐ ह ॥ ३ ॥ मात्रिकागाजा
नदउः हामकाकावाला ॐ ह ॥ कालिनागमात्रि
जात्राः हामकाकासूना ॐ ह ॥ १० ॥ किकुमका
नकिनागजानः नागकाउथा ॐ ह ॥ आग्वकाग्वका
लिनागः कालपूषञ्ज् ॐ ह ॥ ११ ॥ समजात

प्रमातापिता. समजाताग्राह ॥ समजातना
 ॥ १२ ॥ नंद
 कसायामातापिता. वलरुदल ॥ कालीना
 गन्यनृदिन्या. ग ॥ १३ ॥
 आयावीगगनृ ॥ पकथा नागला ॥ क
 लवलककुनहिला ॥ नगीदियाषा ॥ १४

नागदविदग्रहाकीस. पूकात्रकैतला ॥ नाग
 छात्रि. कैसमात्रि. मथूनासूषध ॥ १५ ॥
 एगभजन ॥ ॥ तनाऊनावाजिरहे माइरुनाऊनावा
 जिरहे ॥ ॥ हरेवदे पाके बभात के ननदा एषरायत मरा म

५९५